Good News

'स्मार्ट' होगा राशन कार्ड

आधार से किया जाएगा लिंक

■ रोहित मिश्र/योगेंद्र अवस्थी

लखनऊ : गरीबों के लिए आने वाले राशन की चोरी रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठाने जा रही है। सरकार स्मार्ट राशन कार्ड बनाने की तैयारी में है। यही नहीं कार्ड आधार से लिंक होंगे और फीडिंग भी इलेक्ट्रॉनिक होगी। अगले सप्ताह आने वाली केंद्र सरकार की टीम से बातचीत और प्रजेंटेशन के बाद इस प्रस्ताव पर मुहर लगेगी।

नहीं भरना होगा नया फॉर्म

पहले जिन लोगों के राशन कार्ड बने थे, उन्हीं को स्मार्ट राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। इसके लिए उपभोक्ताओं को नया फॉर्म नहीं भरना पड़ेगा। स्मार्ट राशन कार्ड मिलने के बाद उपभोक्ताओं को इसे आधार से लिंक कराना होगा। जानकारों के मुताबिक स्मार्ट राशन कार्ड का इस्तेमाल स्मार्ट कार्ड रीडर और राइटर के जरिए होगा। कोटेदार स्मार्ट कार्ड को मशीन में लगाकर देखेंगे कि उपभोक्ता कितने राशन का हकदार है और फिर उसे उसी तौल में राशन दिया जाएगा। इसके अलावा राशन की जो फीडिंग मैनुअली होती थी, वह स्मार्ट कार्ड रीडर के जरिए इलेक्ट्रॉनिकली होगी। हालांकि इसका स्वरूप कैसा होगा, इसके बारे में आधिकारिक तौर पर फैसला केंद्र की टीम के साथ बातचीत के बाद होगा। सूत्रों के मुताबिक अगले सप्ताह प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद विभाग के साथ केन्द्रीय टीम की बैठक होनी है। इसमें स्मार्ट कार्ड का स्वरूप, उसमें मिलने वाली सुविधाएं, दूसरे राज्यों में राशन वितरण प्रणाली और स्मार्ट कार्ड के इस्तेमाल पर चर्चा होगी।

हम स्मार्ट राशन कार्ड बनाने जा रहे हैं। जल्द ही इसका प्रारूप तय हो जाएगा। – अरविंद सिंह, प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग

रुकेगी राशन चोरी

स्मार्ट राशन कार्ड में कोटेदारों को उपभोक्ता द्वारा लिए गए राशन को इलेक्ट्रॉनिकली फीड करना होगा। इस तरह से कोटेदार के यहां आए राशन में उतना ही वितरण हो सकेगा, जितने लोगों के स्मार्ट राशन कार्ड कोटेदार की दुकान तक पहुंचेंगे। पहले यह फीडिंग राशन कार्ड पर लिखकर होती थी। सेंट्रलाइज डेटा भी नहीं मिल पाता था। ऐसे में कोटेदारों पर अक्सर आरोप लगते थे कि कोटे के तहत आए राशन में कम ही बंटा और ज्यादातर खुले बाजारों में कोटेदारों ने बेच दिया। जानकारों का यह भी दावा है कि स्मार्ट राशन कार्ड के बाद सार्वजनिक वितरण की जानकारी एक साथ वेबसाइट पर डाली जा सकेगी।